## Introduction to IoT, IIIT Hyderabad, spring 2025

## Prompt Engineered by Suresh Purini ChatGPT Generated

Please check for the correctness of the material.

Notes is provided for big picture and important discussion points.

March 10, 2025

## Contents

| 1 | Intr | roduction to IoT Using Case Studies                                   | ę   |
|---|------|---|-----|
|   | 1.1  | What is an IoT System?  | Ć   |
|   | 1.2  | Case Studies  | 1(  |
|   |      | 1.2.1 Case Study 1: Ride-Hailing Services (Uber/Ola)                  | 10  |
|   |      | 1.2.2 Case Study 2: Smart Road Traffic Monitoring (Including Air Pol- |     |
|   |      | lution)   | 10  |
|   |      | 1.2.3 Case Study 3: Smart Water Meters                                | 11  |
|   |      | 1.2.4 Case Study 4: Sports Vests                                      | 11  |
|   | 1.3  | Comparative Analysis of Case Studies                                  | 12  |
|   | 1.4  | IoT Design Considerations   | 12  |
|   |      | 1.4.1 IoT Components  | 12  |
|   |      | 1.4.2 Key Parameters for IoT Design                                   | 13  |
|   | 1.5  | Key Takeaways   | 13  |
|   | 1.6  | Discussion Questions  | 14  |
|   |      |   |     |
| 2 |      |   | L 5 |
|   | 2.1  | v v   | 15  |
|   |      | 1   | 15  |
|   |      | v   | 15  |
|   |      | v i   | 16  |
|   |      | 2.1.4 When to Use a Microprocessor                                    | 16  |
|   |      |   | 16  |
|   | 2.2  | Introduction to Microcontrollers                                      | 16  |
|   | 2.3  | Case Study: ESP32   | 16  |
|   | 2.4  | Case Study: Arduino   | 17  |
|   | 2.5  | Case Study: Particle Photon   | 18  |
|   | 2.6  | Comparison: ESP32 vs Arduino vs Photon                                | 19  |
|   | 2.7  | Conclusion  | 19  |
|   | 2.8  | Purpose of SRAM vs Flash Memory on ESP32                              | 19  |
| 3 | Cor  | mpilation Flow: From Sketch to Board                                  | 21  |
|   | 3.1  | Writing the Sketch  | 21  |
|   | 3.2  | Preprocessing   | 21  |
|   | 3.3  | Compilation   | 21  |
|   | 3.4  | Generating the Binary   | 22  |
|   | 3.5  |   | 22  |
|   | 3.6  |   | 22  |
|   | 3.7  |   | 22  |

|   | 3.8  | Native vs Cross-Compilation                     |  |  |  |  |  |  |  |
|---|------|---|--|--|--|--|--|--|--|
|   |      | 3.8.1 Native Compilation                        |  |  |  |  |  |  |  |
|   |      | 3.8.2 Cross-Compilation                         |  |  |  |  |  |  |  |
|   |      | 3.8.3 Comparison                                |  |  |  |  |  |  |  |
|   |      | 3.8.4 Relevance to Arduino                      |  |  |  |  |  |  |  |
|   |      |   |  |  |  |  |  |  |  |
| 4 |      | RTOS in Compiled ESP32 Binaries 25              |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 4.1  | Introduction                                    |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 4.2  | Why FreeRTOS Is Included in Compiled Binaries   |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 4.3  | Components Included in the Binary               |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 4.4  | Bare-Metal Programming vs FreeRTOS              |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 4.5  | How to Confirm FreeRTOS in Your Binary          |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 4.6  | Advantages of Including FreeRTOS                |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 4.7  | Conclusion                                      |  |  |  |  |  |  |  |
| J | DOI  |   |  |  |  |  |  |  |  |
| 5 | PCI  |   |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 5.1  | PCB Design with Microcontrollers: Why and When? |  |  |  |  |  |  |  |
| 6 | SoC  | s vs MCUs                                       |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 6.1  | Can a Microcontroller Be Considered an SoC?     |  |  |  |  |  |  |  |
|   |      |   |  |  |  |  |  |  |  |
| 7 | Con  | necting ESP32 to ThingSpeak Using HTTP POST 33  |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 7.1  | Introduction                                    |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 7.2  | Setting Up ThingSpeak                           |  |  |  |  |  |  |  |
|   |      | 7.2.1 Step 1: Create a ThingSpeak Account       |  |  |  |  |  |  |  |
|   |      | 7.2.2 Step 2: Configure Your Channel            |  |  |  |  |  |  |  |
|   |      | 7.2.3 Step 3: Get the API Key                   |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 7.3  | ESP32 Code for Sending Data Using HTTP POST     |  |  |  |  |  |  |  |
|   |      | 7.3.1 Code Implementation                       |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 7.4  | Understanding the Code                          |  |  |  |  |  |  |  |
|   |      | 7.4.1 Connecting to Wi-Fi                       |  |  |  |  |  |  |  |
|   |      | 7.4.2 Creating an HTTP POST Request             |  |  |  |  |  |  |  |
|   |      | 7.4.3 Handling the Response                     |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 7.5  | Troubleshooting                                 |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 7.6  | Conclusion                                      |  |  |  |  |  |  |  |
|   |      |   |  |  |  |  |  |  |  |
| 8 |      | ST API  |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 8.1  | Introduction to Internet Addresses and Ports    |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 8.2  | JSON Files                                      |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 8.3  | What is REST API?                               |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 8.4  | Watching Python HTTP Server via Wireshark       |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 8.5  | Using Postman to Talk to Python HTTP Server     |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 8.6  | Using Postman with OpenLibrary API              |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 8.7  | CRUD Operations                                 |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 8.8  | Interfacing with an IoT Device via REST API     |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 8.9  | Hosting a Python Web Server for IoT Data        |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 8.10 | Hosting a Python Web Server for IoT Data        |  |  |  |  |  |  |  |
|   | 8 11 | ESP32 WebServer for REST API                    |  |  |  |  |  |  |  |

| 9  | Und  | lerstanding URIs in REST APIs                     | 45 |
|----|------|---|----|
|    | 9.1  | Introduction to URIs                              | 45 |
|    | 9.2  | Route Parameters vs. Query Parameters             | 45 |
|    |      | 9.2.1 Route Parameters (Path Parameters)          | 45 |
|    |      | 9.2.2 Query Parameters                            | 46 |
|    | 9.3  | Comparison of Route and Query Parameters          | 46 |
|    | 9.4  | Best Practices for API Design                     | 47 |
| 10 | Pets | Store Application Backend - CRUD API              | 49 |
|    | 10.1 | Introduction                                      | 49 |
|    | 10.2 | Backend Implementation                            | 49 |
|    |      | 10.2.1 Flask API Code                             | 49 |
|    | 10.3 | Using cURL to Test the API                        | 50 |
|    |      | 10.3.1 Fetching All Pets                          | 50 |
|    |      | 10.3.2 Fetching a Pet by ID                       | 50 |
|    |      | 10.3.3 Adding a New Pet                           | 50 |
|    |      | 10.3.4 Updating a Pet                             | 51 |
|    |      | 10.3.5 Deleting a Pet                             | 51 |
|    | 10.4 | Using Postman to Test the API                     | 51 |
|    |      | 10.4.1 Fetching All Pets                          | 51 |
|    |      | 10.4.2 Fetching a Pet by ID                       | 51 |
|    |      | 10.4.3 Adding a New Pet                           | 51 |
|    |      | 10.4.4 Updating a Pet                             | 51 |
|    |      | 10.4.5 Deleting a Pet                             | 51 |
|    | 10.5 | Conclusion  | 52 |
| 11 | Loa  | d Balancing a REST API with NGINX                 | 53 |
|    |      | Introduction to Load Balancing and Reverse Proxy  | 53 |
|    |      | Setting Up Load Balancing for a REST API          | 53 |
|    |      | 11.2.1 Creating Multiple REST API Servers (Flask) | 53 |
|    |      | 11.2.2 Starting the Servers and Load Balancer     | 54 |
|    |      | 11.2.3 Testing the Load Balancer                  | 55 |
|    | 11.3 | Conclusion  | 55 |
| 12 | Wh   | y REST API is Better than RPC                     | 57 |
|    | •    | What are RPCs?                                    | 57 |
|    |      | Why REST API is Better than RPC                   | 57 |
|    |      | 12.2.1 Simplicity and Readability                 | 57 |
|    |      | 12.2.2 Scalability and Statelessness              | 57 |
|    |      | 12.2.3 Flexibility and Loose Coupling             | 58 |
|    |      | 12.2.4 Standardization                            | 58 |
|    |      | 12.2.5 Better Caching Support                     | 58 |
|    |      | 12.2.6 Language Agnosticism                       | 58 |
|    |      | 12.2.7 Security                                   | 58 |
|    |      | 12.2.8 Human-Friendly                             | 58 |
|    | 12.3 | When to Use RPC Instead?                          | 59 |
|    |      | Conclusion  | 59 |

| 13 | Intr | oduction to MQTT  |       | 61     |
|----|------|---|-------|--------|
|    | 13.1 | Introduction to MQTT  |       | <br>61 |
|    |      | 13.1.1 What is MQTT?  |       | <br>61 |
|    |      | 13.1.2 Why MQTT for IoT?  |       | <br>61 |
|    |      | 13.1.3 MQTT in Smart Homes  |       | 61     |
|    | 13.2 | MQTT Architecture and Components                                  |       | 61     |
|    |      | 13.2.1 Key Components   |       | 61     |
|    |      | 13.2.2 Topic Structure in a Smart Home                            |       | 62     |
|    |      | 13.2.3 Quality of Service (QoS) Levels                            |       | 62     |
|    | 13 3 | Smart Home Case Study   |       | 62     |
|    | 10.0 | 13.3.1 Scenario Description                                       |       | 62     |
|    |      | 13.3.2 Data Flow Example  |       | 63     |
|    |      | 13.3.3 Advantages of Using MQTT in Smart Homes                    |       | 63     |
|    | 19 / | Example Code  |       | 63     |
|    | 15.4 | -   |       | 63     |
|    |      | 13.4.1 Publisher: Simulated Temperature Sensor                    |       |        |
|    | 10 5 | 13.4.2 Subscriber: Smart Thermostat                               |       | 63     |
|    |      | Hands-On Activities   |       | 64     |
|    |      | Summary   |       | 64     |
|    | 13.7 | Resources   | <br>• | <br>64 |
| 11 | onol | M2M and Resource Oriented Architecture (ROA)                      |       | 65     |
| 14 |      | Introduction to oneM2M  |       | 65     |
|    |      | Resource Oriented Architecture (ROA)                              |       | 65     |
|    |      | oneM2M Resource Tree Structure                                    |       | 66     |
|    |      |   |       | 66     |
|    | 14.4 | Code Examples Using HTTP REST API                                 |       |        |
|    |      | 14.4.1 Create an Application Entity (AE)                          |       | 66     |
|    |      | 14.4.2 Create a Container   |       | 67     |
|    |      | 14.4.3 Add ContentInstance (Data)                                 |       | 67     |
|    |      | 14.4.4 Retrieve Latest Data                                       |       | 67     |
|    | 14.5 | Notifications and Subscriptions                                   |       | 67     |
|    |      | 14.5.1 Create a Subscription                                      |       | 67     |
|    |      | Key Takeaways   |       | 68     |
|    | 14.7 | Further Reading and Resources                                     |       | <br>68 |
| 15 | Dall | ing vg Interment Driven Approach in Embedded Systems              |       | 69     |
| 19 |      | ing vs Interrupt-Driven Approach in Embedded Systems Introduction |       | 69     |
|    |      | Polling Approach  |       | 69     |
|    | 10.2 | ~   |       | 69     |
|    |      | 15.2.1 What is Polling?   |       | 69     |
|    |      | 15.2.2 Advantages of Polling                                      |       |        |
|    |      | 15.2.3 Disadvantages of Polling                                   |       | 69     |
|    |      | 15.2.4 Example Code: Polling a Capacitive Touch Sensor            |       | 70     |
|    |      | 15.2.5 How It Works:  |       | 70     |
|    | 15.3 | Interrupt-Driven Approach   |       | 70     |
|    |      | 15.3.1 What is an Interrupt?                                      |       | 70     |
|    |      | 15.3.2 Advantages of Interrupts                                   |       | 70     |
|    |      | 15.3.3 Disadvantages of Interrupts                                |       | 71     |
|    |      | 15.3.4 Example Code: Using an Interrupt for the Touch Sensor      |       | 71     |
|    |      | 15.3.5 How It Works:  |       | <br>71 |

|           | 15.4 | Interrupt with Light Sleep Mode (Most Efficient)      |
|-----------|------|---|
|           |      | 15.4.1 What is Light Sleep Mode?                      |
|           |      | 15.4.2 Benefits of Light Sleep Mode                   |
|           |      | 15.4.3 Example Code: Interrupt with Light Sleep Mode  |
|           |      | 15.4.4 How It Works:                                  |
|           | 15.5 | Comparison Table: Polling vs Interrupt vs Sleep Mode  |
|           |      | Conclusion  |
|           | 10.0 | Conclusion  |
| 16        | OTA  | $\Lambda$   |
|           |      | Introduction to OTA                                   |
|           | 10.1 | 16.1.1 What is OTA?                                   |
|           |      | 16.1.2 Why use OTA?                                   |
|           |      | 16.1.3 Types of OTA Updates                           |
|           | 16.2 | Underlying Mechanics of OTA                           |
|           | 10.2 | 16.2.1 How OTA Works on ESP32                         |
|           |      | 16.2.2 Key Components                                 |
|           |      |   |
|           | 100  |   |
|           | 10.3 | Implementing OTA on ESP32                             |
|           |      | 16.3.1 Prerequisites                                  |
|           |      | 16.3.2 Basic OTA via Arduino IDE                      |
|           |      | 16.3.3 OTA via HTTP Server                            |
|           | 16.4 | Advanced OTA with Cloud Services                      |
|           |      | 16.4.1 Cloud-Based OTA                                |
|           |      | 16.4.2 Example: AWS IoT OTA                           |
|           | 16.5 | Best Practices for OTA                                |
|           |      | 16.5.1 Security                                       |
|           |      | 16.5.2 Reliability                                    |
|           |      | 16.5.3 Testing  |
|           | 16.6 | Common Issues and Troubleshooting                     |
|           |      | 16.6.1 OTA Fails                                      |
|           |      | 16.6.2 Insufficient Space                             |
|           |      | 16.6.3 Bootloader Issues                              |
|           | 16.7 | Conclusion  |
|           |      |   |
| <b>17</b> | IoT  | Networking Protocols 83                               |
|           | 17.1 | Introduction to IoT Networking                        |
|           |      | 17.1.1 What is IoT Networking?                        |
|           |      | 17.1.2 Key Considerations for IoT Networking          |
|           | 17.2 | Common IoT Networking Protocols                       |
|           |      | 17.2.1 Wi-Fi  |
|           |      | 17.2.2 Bluetooth (Classic and BLE)                    |
|           |      | 17.2.3 Zigbee   |
|           |      | 17.2.4 LoRaWAN  |
|           | 17 3 | Factors to Consider When Choosing a Networking Option |
|           |      | Comparison Table of IoT Networking Protocols          |
|           |      | Conclusion  |
|           |      | Additional Resources                                  |
|           | 11.0 | Audional Resources                                    |

# Introduction to IoT Using Case Studies

## 1.1 What is an IoT System?

An Internet of Things (IoT) system is an interconnected network of **THINGS**. A **THING** is any device or object that can:

- Sense: Collect data from its surroundings.
- Process: Analyze and interpret the data.
- Act: Perform an action based on the processed data.
- Communicate: Exchange information with other **THINGS** (using e.g., Wi-Fi, LoRaWAN, Cellular).

Together, these **THINGS** collaborate to achieve a shared objective, making systems smarter, more efficient, and capable of addressing complex challenges.

#### IoT Network Architectures

There are multiple ways IoT devices can be connected to form a network, depending on the system's design and requirements:

- 1. **Peer-to-Peer Network**: Devices communicate directly with each other without relying on centralized nodes.
- 2. **Star Network**: All devices are connected to a central hub, which manages communication and data exchange.
- 3. **Hierarchical Network (Cloud-Fog-Edge)**: Combines different levels of processing and storage:
  - Cloud: Centralized, large-scale analytics and storage.
  - Fog: Localized processing close to the devices.
  - Edge: Real-time processing directly on the devices.

## 1.2 Case Studies

To illustrate the core components and their roles, we explore four real-world IoT applications: ride-hailing services, smart road traffic monitoring, smart water meters, and sports vests.

## 1.2.1 Case Study 1: Ride-Hailing Services (Uber/Ola)

• Overview: Ride-hailing platforms like Uber and Ola use IoT to connect drivers and passengers efficiently.

#### • Key Components:

- **Sensors**: GPS (for location tracking), accelerometer (driver behavior monitoring).
- Communication Network: Cellular (4G/5G) for real-time updates.
- Processing:
  - \* Cloud: Dynamic pricing, route optimization, and driver-passenger matching.
  - \* Edge: Device-based location updates and basic navigation.

#### • Considerations:

- Latency: Minimal delay is critical for route updates.
- Privacy: Protecting sensitive data like location and payment details.
- Scalability: Handling millions of users simultaneously.

## 1.2.2 Case Study 2: Smart Road Traffic Monitoring (Including Air Pollution)

• Overview: IoT-based systems monitor road traffic and air quality to improve urban planning and reduce pollution.

#### • Key Components:

- Sensors:
  - \* Traffic Cameras: For vehicle detection and traffic density estimation.
  - \* Air Quality Sensors: Measure pollutants such as PM2.5 and NOx.

#### – Communication Network:

- \* LoRaWAN for low-power, wide-area air quality data transfer.
- \* Cellular/Wi-Fi for high-bandwidth traffic camera feeds.

#### - Processing:

- \* Edge: Basic object detection and filtering in smart cameras.
- \* Cloud: Aggregated traffic analysis and pollution mapping.

#### • Considerations:

1.2. CASE STUDIES

- Bandwidth: High data transmission requirements for video.
- Integration: Combining traffic and pollution data.
- Power Efficiency: Optimizing energy use for remote air quality sensors.

## 1.2.3 Case Study 3: Smart Water Meters

• Overview: Smart water meters automate the monitoring and management of water usage.

#### • Key Components:

- **Sensors**: Flow sensors for water usage measurement.
- Communication Network: Narrowband IoT (NB-IoT) or LoRaWAN for low-power communication.
- Processing:
  - \* Edge: Basic anomaly detection, such as identifying leaks.
  - \* Cloud: Long-term storage for billing and trend analysis.

#### • Considerations:

- Power Efficiency: Ensuring battery longevity in remote devices.
- Data Volume: Optimizing periodic updates for bandwidth efficiency.
- Real-Time Alerts: Detecting and addressing leaks or unusual usage patterns.

## 1.2.4 Case Study 4: Sports Vests

• Overview: IoT-enabled sports vests provide real-time monitoring of athletes' health and performance.

#### • Key Components:

- **Sensors**: Heart rate monitors, GPS, accelerometers.
- Communication Network: Bluetooth/Wi-Fi for close-range connectivity.
- Processing:
  - \* Edge: Real-time heart rate and motion tracking.
  - \* Cloud: Long-term performance analysis and training optimization.

#### • Considerations:

- Real-Time Feedback: Vital for in-game monitoring.
- Wearability: Lightweight and non-intrusive design.
- Data Fusion: Integrating multiple sensor inputs for meaningful insights.

## 1.3 Comparative Analysis of Case Studies

| Aspect             | Ride-Hailing<br>Services | Smart Road<br>Traffic Moni-<br>toring | Smart Water<br>Meters      | Sports Vests              |
|--------------------|--------------------------|---------------------------------------|----------------------------|---------------------------|
| Sensors            | GPS, Accelerometer       | Traffic Cameras,<br>Air Sensors       | Flow Sensors               | Heart Rate, GPS           |
| Communication      | Cellular                 | LoRaWAN, Cel-                         | NB-IoT, Lo-                | Bluetooth, Wi-            |
| Network            | (4G/5G)                  | lular, Wi-Fi                          | RaWAN                      | Fi                        |
| Edge Processing    | Location Up-<br>dates    | Object Detection                      | Leak Detection             | Real-Time Mon-<br>itoring |
| Cloud Processing   | Route Optimization       | Traffic Analysis,<br>Pollution Maps   | Billing, Trend<br>Analysis | Training Recommendations  |
| Key Considerations | Latency, Privacy         | Bandwidth, Power Efficiency           | Power Efficiency, Alerts   | Wearability, Data Fusion  |

## 1.4 IoT Design Considerations

Designing effective IoT systems requires careful evaluation of the components and architecture, as well as the parameters impacting performance. The design process can be divided into two parts: components and parameters.

## 1.4.1 IoT Components

- Sensors/Actuators:
  - Collect data from the environment (e.g., GPS, flow sensors) or act upon the system (e.g., valves, motors).
  - Require optimization for power, durability, and accuracy.

#### • Edge vs. Cloud Processing:

- Edge Processing:
  - \* Ideal for real-time tasks and latency-sensitive operations.
  - \* Reduces bandwidth requirements by filtering and processing data locally.

#### - Cloud Processing:

- \* Suitable for large-scale analytics and storage.
- \* Supports centralized control and integration of complex models.

#### • Communication Networks:

- Enable data transfer between IoT devices and the processing systems.
- Choice depends on bandwidth needs, power constraints, and range requirements (e.g., LoRaWAN, 5G).

#### • Security and Privacy:

- IoT devices must implement encryption, secure boot, and robust protocols to protect against breaches.
- Centralized data (in the cloud) must follow compliance regulations (e.g., GDPR).

#### • Software Stack:

 Includes on-device software (lightweight OS like FreeRTOS), middleware (for communication and device management), and cloud platforms (for analytics and storage).

## 1.4.2 Key Parameters for IoT Design

#### • Processing Capability:

- Assess the computational needs of the application.
- High-end applications (e.g., video analytics) require more powerful edge devices and robust cloud infrastructure.

#### • Communication Requirements:

- Data volume and bandwidth determine the choice of communication protocol.
- For instance, LoRaWAN is suitable for low-data applications, while 5G handles high-bandwidth needs.

#### • Real-Time vs Non-Real-Time:

- Real-time applications (e.g., autonomous vehicles) demand ultra-low latency.
- Non-real-time systems (e.g., smart water meters) prioritize power and cost efficiency.

#### • Power Efficiency:

- Crucial for battery-powered IoT devices.
- Includes considerations for sleep modes, energy-efficient communication protocols, and optimized hardware.

#### • Storage:

- Edge devices may have limited local storage for real-time operations.
- Cloud platforms offer scalable storage but require efficient data synchronization.

## 1.5 Key Takeaways

- IoT Applications span various domains, from transportation to health and environmental monitoring.
- Cloud vs. Edge: Choosing the right processing architecture depends on latency, bandwidth, and power requirements.
- **Design Considerations**: Effective IoT systems must balance efficiency, scalability, and privacy.

## 1.6 Discussion Questions

- 1. What are the trade-offs between processing data on the edge vs. on the cloud in IoT?
- 2. How can IoT systems ensure scalability and security in large-scale applications?
- 3. Propose another application of IoT and identify its core components and considerations.

## Microcontrollers

## 2.1 Why Do We Need a Microcontroller? Why Not Just Use a Microprocessor?

## 2.1.1 Microcontroller vs. Microprocessor

- Microcontroller (MCU): A microcontroller is a compact, self-contained system that includes a CPU, memory (RAM and flash), and peripherals (I/O ports, timers, ADCs, etc.) all on a single chip. It is designed specifically for embedded systems where a specific task or set of tasks needs to be performed efficiently, often in real-time. Examples: Arduino, STM32.
- Microprocessor (MPU): A microprocessor is primarily a CPU and relies on external components (RAM, ROM, I/O devices, etc.) to function. It is more suited for general-purpose computing, such as in computers or complex systems requiring high processing power. Examples: Intel Core i7, ARM Cortex-A processors.

## 2.1.2 Why Do We Need a Microcontroller?

- 1. Cost-Effectiveness: Microcontrollers are cheaper since they integrate everything needed for control tasks on a single chip. In contrast, microprocessors require additional components like external RAM, which increases cost and complexity.
- 2. Compact and Power-Efficient: MCUs are smaller and consume less power, making them ideal for low-power, battery-operated devices like remote controls or IoT devices.
- 3. Real-Time Control: Many embedded applications, like controlling motors or reading sensor data, require real-time performance. MCUs have dedicated hardware (like timers and ADCs) for these tasks, which microprocessors lack without additional components.
- 4. **Ease of Use:** MCUs are easier to set up for small, dedicated tasks since they do not require an external memory or peripheral interface.

## 2.1.3 Why Not Just Use a Microprocessor?

- External Dependencies: An MPU needs external RAM, ROM, and peripherals, making the system more complex to design, build, and debug.
- **Higher Power Consumption:** MPUs consume more power and are not ideal for portable or low-power applications.
- Overkill for Simple Tasks: Using a microprocessor for simple tasks like blinking an LED or reading a sensor is like using a bulldozer to plant a flower—unnecessary and inefficient.

## 2.1.4 When to Use a Microprocessor

Microprocessors are better suited for complex tasks requiring high computational power, such as:

- Running operating systems
- Performing heavy data processing
- Multitasking complex applications

#### 2.1.5 Conclusion

We use microcontrollers in embedded systems because they are **cost-effective**, **compact**, **energy-efficient**, and tailored for specific tasks. In contrast, microprocessors are better suited for general-purpose, high-performance computing.

## 2.2 Introduction to Microcontrollers

A microcontroller is an integrated circuit designed for specific tasks by combining a processor, memory, and input/output peripherals on a single chip. It is commonly used in embedded systems for real-time applications.

## 2.3 Case Study: ESP32

#### Overview

The **ESP32** is a powerful, low-cost microcontroller developed by **Espressif Systems**. It is widely used in IoT and wireless applications due to its integrated Wi-Fi and Bluetooth capabilities.

## **Technical Specifications**

| Feature      | Details                            |
|--------------|------------------------------------|
| Processor    | Dual-core Xtensa LX6, 240 MHz      |
| Voltage      | 3.3V                               |
| Flash Memory | 4 MB (varies by model)             |
| RAM          | 520 KB SRAM                        |
| Wi-Fi        | 802.11 b/g/n                       |
| Bluetooth    | v4.2 BR/EDR + BLE                  |
| GPIO Pins    | 34 (with ADC, PWM, SPI, I2C, etc.) |

## Variants in the ESP32 Family

| Variant     | Flash Memory | Additional Features      |
|-------------|--------------|--------------------------|
| ESP32-WROOM | 4 MB         | Standard module          |
| ESP32-S2    | 4 MB         | Single-core, USB support |
| ESP32-C3    | 4 MB         | RISC-V core, low power   |
| ESP32-S3    | 16 MB        | AI acceleration, USB OTG |

## Operating System on ESP32

• **Default OS: FreeRTOS**, pre-installed as part of the ESP-IDF SDK.

• Other OS Options:

- MicroPython: Python-based scripting.

- **Zephyr OS:** Open-source RTOS for IoT.

- Amazon FreeRTOS: AWS integration for cloud IoT solutions.

## 2.4 Case Study: Arduino

#### Overview

**Arduino** is an open-source hardware and software platform designed for beginners and hobbyists. It offers a variety of microcontroller boards with an easy-to-use IDE.

## Technical Specifications (Arduino Uno as Example)

| Feature      | Details                      |
|--------------|------------------------------|
| Processor    | ATmega328P, 16 MHz           |
| Voltage      | 5V (operates on 5V and 3.3V) |
| Flash Memory | 32 KB                        |
| RAM          | 2 KB SRAM                    |
| EEPROM       | 1 KB                         |
| GPIO Pins    | 14 (6 PWM, 6 analog)         |

| , or refer to the transfer of | Variants | in | $\mathbf{the}$ | Arduino | Family |
|---|----------|----|----------------|---------|--------|
|---|----------|----|----------------|---------|--------|

| Variant      | Processor     | Voltage | Flash Memory | Special Features           |
|--------------|---------------|---------|--------------|----------------------------|
| Arduino Uno  | ATmega328P    | 5V      | 32 KB        | Basic development board    |
| Arduino Mega | ATmega2560    | 5V      | 256 KB       | More I/O pins (54 digital) |
| Arduino Nano | ATmega328P    | 5V      | 32 KB        | Compact form factor        |
| Arduino Due  | SAM3X8E (ARM) | 3.3V    | 512 KB       | 32-bit processor           |

## Operating System on Arduino

• **Default:** No operating system (bare-metal programming).

#### • Optional RTOS:

- FreeRTOS: Adds multitasking capabilities.

- ChibiOS: A lightweight RTOS with Arduino support.

## 2.5 Case Study: Particle Photon

#### Overview

The **Particle Photon** is a Wi-Fi-enabled microcontroller optimized for IoT applications. It is part of the Particle ecosystem, which provides seamless cloud integration and a beginner-friendly environment.

## **Technical Specifications**

| Feature           | Details                         |
|-------------------|---------------------------------|
| Processor         | ARM Cortex-M3, 120 MHz          |
| Voltage           | 3.3V                            |
| Flash Memory      | 1 MB                            |
| RAM               | 128 KB SRAM                     |
| Wi-Fi             | 802.11 b/g/n (Broadcom chipset) |
| GPIO Pins         | 18                              |
| Cloud Integration | Full Particle Cloud support     |

## Operating System on Photon

- Runs on Particle Device OS, a lightweight RTOS for IoT applications.
- Provides built-in cloud functionality for remote monitoring and firmware updates.

## 2.6 Comparison: ESP32 vs Arduino vs Photon

| Feature       | ESP32                         | Arduino Uno        | Photon               |
|---------------|-------------------------------|--------------------|----------------------|
| Processor     | Dual-core Xtensa LX6, 240 MHz | ATmega328P, 16 MHz | ARM Cortex-M3, 120 N |
| Voltage       | 3.3V                          | 5V                 | 3.3V                 |
| Flash Memory  | 4 MB                          | 32 KB              | 1 MB                 |
| RAM           | 520 KB                        | 2 KB               | 128 KB               |
| Connectivity  | Wi-Fi, Bluetooth              | None               | Wi-Fi                |
| GPIO Pins     | 34                            | 14                 | 18                   |
| Cloud Support | Limited (via libraries)       | None               | Full Particle Cloud  |
| Ease of Use   | Moderate                      | Beginner-friendly  | Beginner-friendly    |

## 2.7 Conclusion

- ESP32: Ideal for high-performance IoT and wireless applications.
- Arduino: Best for beginners and simple projects.
- Photon: Optimized for cloud-connected IoT applications.
- Choose based on application complexity, connectivity, and processing power needs.

## 2.8 Purpose of SRAM vs Flash Memory on ESP32

## 1. SRAM (Static Random-Access Memory)

- Purpose: Temporary storage for data and variables during program execution.
- Key Characteristics:
  - Volatile: Data is lost when the power is turned off.
  - Fast read and write operations, essential for real-time tasks.
  - Used for storing:
    - \* Runtime variables (e.g., counters, flags).
    - \* Function call stacks.
    - \* Buffers for data transmission or sensor input (e.g., Wi-Fi, UART).

#### • Example Use Cases:

- Storing intermediate data while processing sensor readings.
- Holding packet data during network communication.

## 2. Flash Memory

- Purpose: Permanent storage for the program code and static data.
- Key Characteristics:
  - Non-volatile: Retains data even when power is off.

- Slower than SRAM but provides much larger storage capacity.
- Used for storing:
  - \* Firmware (compiled code).
  - \* Configuration files or static assets (e.g., images, HTML for web servers).
  - \* Non-volatile user data (e.g., Wi-Fi credentials, calibration data).

#### • Example Use Cases:

- Storing the main firmware and libraries for the ESP32.
- Saving web server files or sensor calibration data for future use.

## Comparison of SRAM and Flash Memory on ESP32

| Feature        | SRAM                                | Flash Memory                            |
|----------------|-------------------------------------|---|
| Type           | Volatile                            | Non-volatile                            |
| Purpose        | Temporary data during execution     | Permanent storage for firmware and data |
| Speed          | Faster                              | Slower                                  |
| Capacity       | Limited (e.g., 520 KB on ESP32)     | Larger (e.g., 4 MB or more)             |
| Data Retention | Lost when powered off               | Retains data after power-off            |
| Examples       | Variables, buffers, function stacks | Firmware, configuration, static files   |

## Why Both Are Needed

- SRAM: Ensures fast, real-time operations by holding runtime data.
- Flash: Provides a large, reliable storage area for program code and persistent data.

Together, SRAM and Flash memory enable the ESP32 to function efficiently in a wide variety of applications, from running real-time tasks to storing IoT configurations and firmware.

# Compilation Flow: From Sketch to Board

The compilation and upload process in the Arduino ecosystem transforms your *sketch* (code) written in the Arduino IDE into machine code that runs on the microcontroller. Below is the step-by-step explanation of the process:

## 3.1 Writing the Sketch

A **sketch** is the program you write in the Arduino IDE, typically using a simplified version of C/C++. It consists of:

- setup() Initializes settings and runs once.
- loop() Repeats continuously after setup().

## 3.2 Preprocessing

When you click Verify or Upload:

- 1. The IDE adds necessary includes like #include <Arduino.h>.
- 2. Combines multiple files (if any) into one.
- 3. Processes macros such as #define.

## 3.3 Compilation

The preprocessed sketch is compiled into machine code:

- C++ Conversion: The sketch is converted into a .cpp file.
- Compiler Invocation: The IDE uses the GCC toolchain to compile the code:
  - AVR GCC for Arduino Uno or Mega.
  - Xtensa GCC for ESP32.
  - ARM GCC for ARM-based boards.
- Linking: Combines the compiled files into an executable binary.

## 3.4 Generating the Binary

The compiler produces a binary file (e.g., .hex or .bin) for the microcontroller.

## 3.5 Uploading to the Board

The binary is uploaded via:

- 1. Opening a serial connection.
- 2. Sending a reset signal to enter bootloader mode.
- 3. Transferring the binary using a protocol like avrdude (AVR) or esptool.py (ESP32).

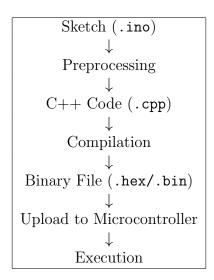
## 3.6 Program Execution

Once uploaded:

- The microcontroller executes the bootloader.
- Runs setup() once.
- Continuously loops through loop().

## 3.7 Flow Summary

The following steps summarize the compilation process:



This flow ensures the Arduino board executes your intended program efficiently.

## 3.8 Native vs Cross-Compilation

Compilation can be broadly categorized into two types: **native compilation** and **cross-compilation**. The choice depends on the target platform for the compiled program.

## 3.8.1 Native Compilation

Native compilation refers to compiling code on the same platform where the program will eventually run.

#### Features:

- 1. The compiler and the target system architecture are the same.
- 2. The program can be directly executed after compilation.
- 3. No additional tools or configurations are needed for cross-platform compatibility.

#### **Examples:**

1. Compiling a program on an Intel processor based machine with x86-64 ISA for execution on an Intel machine with the same ISA.

## 3.8.2 Cross-Compilation

Cross-compilation involves compiling code on one platform to run on a different platform (the target).

#### Features:

- 1. The compiler generates machine code suitable for a target platform different from the host.
- 2. Requires a toolchain (cross-compiler) specific to the target architecture.
- 3. Used in embedded systems, IoT devices, and other cases where the target has limited resources.

#### **Examples:**

- 1. Compiling Arduino sketches on a computer and uploading them to an Arduino board (host: PC, target: microcontroller).
- 2. Cross-compiling for ARM-based systems (e.g., Raspberry Pi) on an x86 desktop.

## 3.8.3 Comparison

| Aspect                         | Native Compila-       | Cross-Compilation      |
|--------------------------------|-----------------------|------------------------|
|                                | tion                  |                        |
| Definition                     | Compilation for the   | Compilation for a dif- |
|                                | same platform         | ferent platform        |
| Compiler                       | Native compiler       | Cross-compiler         |
| Target System Same as the host |                       | Different from the     |
|                                |                       | host                   |
| Ease of Setup                  | Easy, minimal config- | Requires toolchains    |
|                                | uration               | and setup              |
| Use Cases                      | Local application de- | Embedded systems,      |
|                                | velopment             | IoT, and cross-        |
|                                |                       | platform projects      |

## 3.8.4 Relevance to Arduino

The Arduino development process is an example of cross-compilation:

- 1. Sketches are written and compiled on a PC or laptop.
- 2. The compiled binary is uploaded to a microcontroller (the target platform).

This allows developers to use a powerful development environment to program devices with limited resources.

## FreeRTOS in Compiled ESP32 Binaries

### 4.1 Introduction

The ESP32 is a highly versatile microcontroller, widely used in embedded systems and IoT applications. One of its key strengths is its integration with **FreeRTOS**, a real-time operating system (RTOS) that provides multitasking and system management capabilities. This chapter explores the role of FreeRTOS in ESP32 development, its inclusion in compiled binaries, and the benefits it offers for embedded applications.

## 4.2 Why FreeRTOS Is Included in Compiled Binaries

#### 1. FreeRTOS as Part of the ESP32 SDK

The default development frameworks for the ESP32, such as:

- ESP-IDF (Espressif IoT Development Framework)
- Arduino Core for ESP32

use FreeRTOS as their underlying operating system. It provides essential services such as task scheduling, timers, and inter-task communication.

## 2. Automatic Inclusion of FreeRTOS

When you compile a program for the ESP32, the compiled binary automatically includes:

- Your application code, such as the setup() and loop() functions or FreeRTOS tasks.
- FreeRTOS kernel, which handles multitasking and resource management.
- ESP32-specific drivers and libraries, such as the Wi-Fi and Bluetooth stacks.
- Any external libraries used in your program.

This seamless integration simplifies the development of complex applications.

## 4.3 Components Included in the Binary

The compiled binary typically includes:

| 1 0 0 1 0                  |   |  |
|----------------------------|---|--|
| Component                  | Description   |  |
| Application Code           | User-written functions like setup() and loop().                   |  |
| FreeRTOS Kernel            | Task scheduler, memory management, and synchronization primitives |  |
| Hardware Abstraction Layer | Drivers for GPIO, UART, SPI, I2C, etc.                            |  |
| ESP32-Specific Libraries   | Wi-Fi stack, Bluetooth stack, and system services.                |  |
| External Libraries         | Any additional libraries included in the program.                 |  |

## 4.4 Bare-Metal Programming vs FreeRTOS

Although it is possible to program the ESP32 without FreeRTOS (bare-metal programming), this approach requires:

- Direct management of hardware resources.
- Handling interrupts and timers manually.
- Custom implementations of multitasking and synchronization.

In contrast, FreeRTOS simplifies these tasks by providing a robust, pre-built framework.

## 4.5 How to Confirm FreeRTOS in Your Binary

## 1. Build Logs (ESP-IDF)

If using **ESP-IDF**, the build process will show the inclusion of FreeRTOS-related files, such as:

```
freertos/port.c
freertos/queue.c
```

#### 2. Runtime Task List

FreeRTOS provides a function, vTaskList(), which prints all running tasks, including system tasks, allowing you to confirm that FreeRTOS is managing the program.

## 4.6 Advantages of Including FreeRTOS

- Multitasking: Allows multiple tasks to run concurrently, improving efficiency.
- Real-Time Scheduling: Ensures tasks are executed within precise time constraints.
- Simplified Resource Management: Provides APIs for memory, synchronization, and task communication.
- System-Level Features: Manages system tasks like Wi-Fi, Bluetooth, and low-power modes seamlessly.

4.7. CONCLUSION 27

## 4.7 Conclusion

The inclusion of FreeRTOS in ESP32 binaries is crucial for leveraging the full potential of the microcontroller. It simplifies the development of real-time, multitasking applications, enabling developers to focus on application logic rather than low-level system management.

## **PCBs**

## 5.1 PCB Design with Microcontrollers: Why and When?

## Why Move to PCB Design?

- Prototyping Completes Successfully: Once a circuit works as expected on a breadboard, moving to a PCB ensures reliability and scalability.
- Compact and Durable Systems: PCBs are more compact, durable, and professional compared to fragile breadboard setups.
- Improved Signal Integrity: PCBs reduce noise, interference, and loose connections, which are critical in sensitive or high-speed circuits.
- Mass Production: PCBs enable uniform and efficient manufacturing for large-scale production.
- Complex Circuits: Managing many components on a breadboard becomes impractical; PCBs organize and simplify connections.
- Power and Heat Management: PCBs provide efficient power distribution and allow for heat dissipation through thermal vias or heat sinks.
- Custom Enclosure Fit: PCBs can be designed to fit specific mechanical enclosures, improving aesthetics and functionality.
- Long-Term Reliability: PCBs are less prone to wear and tear, simplifying maintenance and troubleshooting with labeled traces.

#### ESP32-WROOM: A PCB Module

- The ESP32-WROOM is a small, pre-manufactured PCB module containing:
  - ESP32 microcontroller
  - Flash memory, antenna, crystal oscillator, and power regulation circuitry
- It simplifies using the ESP32 by providing solder pads or pin headers for easy integration.

## Why Design a Custom PCB for ESP32-WROOM?

Even though ESP32-WROOM is a PCB module, designing a custom PCB may be necessary for:

- Custom Circuit Integration: Adding sensors, actuators, or power circuits.
- Connector and Pin Optimization: Arranging pins to match specific application needs.
- Power Management: Designing custom power supply or battery management circuits.
- Mechanical Fit: Ensuring proper fit within an enclosure.
- Simplified Deployment: Making mass production easier and more professional.

#### PCB-on-PCB: ESP32-WROOM on Custom PCB

- Using the ESP32-WROOM on a custom PCB effectively means placing a **PCB on** top of another **PCB**.
- This modular approach:
  - Simplifies development by abstracting complex microcontroller circuitry.
  - Saves space and reduces design complexity.
  - Enables modular upgrades or replacements.

#### Conclusion

Transitioning to PCB design from microcontroller modules like ESP32-WROOM ensures reliability, scalability, and a professional finish, especially in complex or mass-production applications.

## SoCs vs MCUs

## 6.1 Can a Microcontroller Be Considered an SoC?

#### What Is an SoC?

- A System on Chip (SoC) integrates a CPU, memory, peripherals, and other components required for a specific application onto a single chip.
- Designed to provide a **complete system** in a compact form factor.

#### Microcontroller Characteristics

- A microcontroller typically includes:
  - **CPU:** For processing tasks.
  - **RAM:** For temporary data storage.
  - Flash memory or ROM: For program storage.
  - Peripherals: Timers, I/O ports, ADC, UART, SPI, I2C, etc.
- Designed for **embedded systems** to perform specific tasks efficiently.

## Why Microcontrollers Qualify as SoCs

- Like an SoC, a microcontroller integrates most of the components needed for a system to function onto a single chip.
- Example microcontrollers:
  - ESP32: Includes CPU, RAM, flash memory, Wi-Fi, and Bluetooth.
  - STM32: Combines a Cortex-M CPU, RAM, flash, and various peripherals.

#### Key Differences Between Microcontrollers and SoCs

- Purpose and Complexity:
  - Microcontrollers: Optimized for simpler, specific tasks (e.g., sensor control or motor management).

- SoCs: More powerful, capable of running operating systems like Linux, used in complex systems (e.g., smartphones, IoT hubs).

#### • Peripheral Integration:

- SoCs often include high-performance peripherals (e.g., GPUs, DSPs, wireless modules like 5G).
- Microcontrollers have fewer peripherals and prioritize power efficiency.

## Examples

- Microcontroller as SoC:
  - ESP32: Dual-core processor, RAM, flash, Wi-Fi, and Bluetooth in one chip.
  - STM32F4: Cortex-M CPU, RAM, flash, and peripherals.
- Traditional SoC:
  - Raspberry Pi 4 SoC (Broadcom BCM2711): Quad-core Cortex-A72, GPU, RAM (external), and high-speed peripherals.

#### Conclusion

- A microcontroller can be considered a **basic form of SoC** because it integrates most system components onto a single chip.
- However, SoCs generally refer to **more powerful and feature-rich chips** used in advanced systems, while microcontrollers are optimized for **simpler**, **low-power applications**.

# Connecting ESP32 to ThingSpeak Using HTTP POST

listings xcolor tcolorbox

#### 7.1 Introduction

In IoT applications, microcontrollers like the **ESP32** need to send sensor data to cloud platforms for storage and analysis. **ThingSpeak** is a cloud-based IoT platform that enables:

- Real-time data storage and retrieval.
- Visualization through graphs and dashboards.
- Cloud-based analytics using MATLAB integration.
- Communication using HTTP, MQTT, and WebSockets.

This chapter explains how to connect an ESP32 to ThingSpeak and send sensor data using the HTTP POST method.

## 7.2 Setting Up ThingSpeak

Before programming the ESP32, follow these steps to configure ThingSpeak:

## 7.2.1 Step 1: Create a ThingSpeak Account

- 1. Visit https://thingspeak.com/ and sign up.
- 2. Log in and navigate to "Channels".
- 3. Click on **New Channel**.

## 7.2.2 Step 2: Configure Your Channel

- 1. Enter a channel name (e.g., ESP32 Sensor Data).
- 2. Enable Field 1 (Temperature) and Field 2 (Humidity).
- 3. Click Save Channel.

## 7.2.3 Step 3: Get the API Key

- 1. Go to **API Keys** in your ThingSpeak channel.
- 2. Copy the Write API Key (needed for sending data).

## 7.3 ESP32 Code for Sending Data Using HTTP POST

The following ESP32 program:

- Connects to a Wi-Fi network.
- Reads sensor data (simulated in this example).
- Sends data to ThingSpeak using an HTTP POST request.

## 7.3.1 Code Implementation

```
#include <WiFi.h>
#include <HTTPClient.h>
// Wi-Fi Credentials
const char* ssid = "YourWiFiSSID";
const char* password = "YourWiFiPassword";
// ThingSpeak API
const char* server = "http://api.thingspeak.com/update";
const char* apiKey = "YOUR_THINGSPEAK_API_KEY";
void setup() {
    Serial.begin(115200);
    // Connect to Wi-Fi
    WiFi.begin(ssid, password);
    Serial.print("Connecting to Wi-Fi");
    while (WiFi.status() != WL_CONNECTED) {
        Serial.print(".");
        delay(500);
    Serial.println("\nConnected uto Wi-Fi!");
}
void loop() {
    if (WiFi.status() == WL_CONNECTED) {
        float temperature = readTemperature();
        float humidity = readHumidity();
        HTTPClient http;
        http.begin(server);
        http.addHeader("Content-Type", "application/x-www-form-
           urlencoded");
        // Create POST data
        String postData = "api_key=" + String(apiKey) + "&field1=" +
                          String(temperature) + "&field2=" + String(
                              humidity);
        int httpResponseCode = http.POST(postData);
        if (httpResponseCode > 0) {
            Serial.println("ThingSpeak_Response: " + String(
               httpResponseCode));
            Serial.println("Error in sending request: " + String(
               httpResponseCode));
        }
        http.end();
    delay(15000); // Send data every 15 seconds
}
float readTemperature() { return random(25, 35); }
float readHumidity() { return random(40, 60); }
```

## 7.4 Understanding the Code

## 7.4.1 Connecting to Wi-Fi

The ESP32 connects to Wi-Fi using:

```
WiFi.begin(ssid, password);
while (WiFi.status() != WLCONNECTED) { delay(500); }
```

## 7.4.2 Creating an HTTP POST Request

The ESP32 sends sensor data using:

## 7.4.3 Handling the Response

If the request is successful, ThingSpeak responds with an HTTP status code:

```
if (httpResponseCode > 0) {
    Serial.println("ThingSpeak Response: " + String(httpResponseCode));
} else {
    Serial.println("Error in sending request");
}
```

## 7.5 Troubleshooting

| Issue                   | Solution                                       |
|-------------------------|--|
| Wi-Fi not connecting    | Check SSID                                     |
| password, reboot ESP32. |  |
| HTTP Response -1        | No internet access, check Wi-Fi.               |
| No data on ThingSpeak   | Verify API key and POST request format.        |
| Data update delay       | ThingSpeak limits free users to 15s intervals. |

Table 7.1: Common Issues and Solutions

7.6. CONCLUSION 37

#### 7.6 Conclusion

This chapter explained:

- How ESP32 sends data to ThingSpeak using **HTTP POST**.
- How to set up a **ThingSpeak channel**.
- How to troubleshoot common issues.

In the next chapter, we will explore **REST API** in detail, which will help us understand how ThingSpeak and other cloud services interact with IoT devices.

## REST API

#### 8.1 Introduction to Internet Addresses and Ports

Every device on the internet is identified by an IP address, a numerical label assigned to each device. Additionally, services on a device use ports to distinguish different applications. For example:

- A web server typically listens on port 80 (HTTP) or 443 (HTTPS).
- A database service might be on port 3306 (MySQL) or 5432 (PostgreSQL).
- IP addresses are either IPv4 (e.g., 192.168.1.1) or IPv6 (e.g., 2001:db8::ff00:42:8329).

Communication over the internet happens via protocols like HTTP, which forms the basis of REST APIs.

#### 8.2 JSON Files

JSON (JavaScript Object Notation) is a lightweight data-interchange format. It is easy for humans to read and write and easy for machines to parse and generate. Example:

Listing 8.1: Example JSON Object

```
{
    "name": "John Doe",
    "age": 30,
    "email": "johndoe@example.com",
    "skills": ["Python", "C++", "REST APIs"]
}
```

JSON is widely used in REST APIs to exchange data between client and server.

#### 8.3 What is REST API?

REST (Representational State Transfer) API allows communication between systems over HTTP. The main HTTP methods used are:

• **GET** – Retrieve data

- POST Send data
- PUT Update data

import requests

• **DELETE** – Remove data

Example of using Python to make GET and POST requests:

Listing 8.2: Using requests module

```
# GET request
response = requests.get("https://jsonplaceholder.typicode.com/posts/1")
print(response.json())
```

```
# POST request
payload = {"title": "foo", "body": "bar", "userId": 1}
response = requests.post("https://jsonplaceholder.typicode.com/posts", json
print(response.json())
```

#### 8.4 Watching Python HTTP Server via Wireshark

1. Start a simple Python HTTP server:

```
python3 —m http.server 8080
```

2. Open Wireshark and start capturing packets on the network interface. 3. Filter packets using HTTP:

http

4. Send a GET request using a browser or curl:

```
curl http://localhost:8080
```

5. Observe the request and response in Wireshark.

#### 8.5 Using Postman to Talk to Python HTTP Server

- 1. Start the Python server. 2. Open Postman, create a GET request to http://localhost:8080.
- 3. Observe the response in Postman.

#### 8.6 Using Postman with OpenLibrary API

To search for a book:

```
GET https://openlibrary.org/search.json?q=harry+potter
```

#### 8.7 CRUD Operations

CRUD refers to:

- Create (POST)
- Read (GET)
- Update (PUT)
- Delete (DELETE)

Example of updating a post:

```
requests.put ("https://jsonplaceholder.typicode.com/posts/1", json={"title"} left ("https://jsonplaceholder.typicode.com/posts/1", json={"title"} left ("https://jsonplaceholder.typicode.com/posts/1"); json={"title"} left ("https://jsonplaceholder.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.typicode.t
```

#### 8.8 Interfacing with an IoT Device via REST API

Assume an ESP32 sends sensor data:

```
import requests
response = requests.get("http://iot-device.local/sensor")
print(response.json())
```

#### 8.9 Hosting a Python Web Server for IoT Data

The following is a simple Python Flask server to which IoT devices can POST their data.

#### 8.10 Hosting a Python Web Server for IoT Data

Create a Python server:

```
from flask import Flask, request, jsonify

app = Flask(__name__)

data = []

@app.route("/sensor", methods=["POST"])

def receive_data():
    content = request.json
    data.append(content)
    return jsonify({"message": "Data-received"})

@app.route("/dashboard", methods=["GET"])

def dashboard():
    return jsonify(data)

if __name__ == "__main__":
    app.run(port=5000)
```

Plot data in Jupyter Notebook:

```
import matplotlib.pyplot as plt
import requests

response = requests.get("http://localhost:5000/dashboard")
data = response.json()

timestamps = [entry["timestamp"] for entry in data]
temperatures = [entry["temperature"] for entry in data]

plt.plot(timestamps, temperatures)
plt.xlabel("Time")
plt.ylabel("Temperature")
plt.show()
```

#### 8.11 ESP32 WebServer for REST API

The following code will run a http server on the IoT device supporting the API endpoint http://iot-ipaddress/sensor.

Listing 8.3: ESP32 Web Server

```
#include <WiFi.h>
#include <WebServer.h>
#include <ArduinoJson.h>
#define PASSWORD "xxxxxxxx"
const char* ssid = "Your_SSID";
const char* password = PASSWORD;
WebServer server (80);
float getRandomTemperature() {
    return random (200, 350) / 10.0;
}
float getRandomHumidity() {
    return random (400, 700) / 10.0;
}
void handleSensorData() {
    DynamicJsonDocument doc(200);
    doc["temperature"] = getRandomTemperature();
    doc["humidity"] = getRandomHumidity();
    String jsonResponse;
    serializeJson(doc, jsonResponse);
```

```
server.send(200, "application/json", jsonResponse);
}
void setup() {
    Serial.begin (115200);
    WiFi.begin(ssid, password);
    Serial.print("Connecting-to-WiFi...");
    while (WiFi.status() != WLCONNECTED) {
        delay (1000);
        Serial.print(".");
    Serial.println("\nConnected-to-WiFi!");
    Serial.print("ESP32-IP-Address:-");
    Serial.println(WiFi.localIP());
    server.on("/sensor", HTTP_GET, handleSensorData);
    server.begin();
    Serial.println("Server-started.");
}
void loop() {
    server.handleClient();
}
```

## Understanding URIs in REST APIs

#### 9.1 Introduction to URIs

A Uniform Resource Identifier (URI) uniquely identifies a resource in a RESTful API. It generally follows the structure:

scheme://host:port/path?query\_parameters

where:

- Scheme: Protocol used (e.g., http, https).
- Host: The domain or IP address of the server (e.g., www.example.com).
- Port: The network port (optional, default is 80 for HTTP and 443 for HTTPS).
- Path: The resource being accessed (e.g., /users/123).
- Query Parameters: Additional key-value pairs (e.g., ?sort=desc&limit=10).

#### 9.2 Route Parameters vs. Query Parameters

REST APIs use both **route parameters** and **query parameters** to pass information. Each serves a distinct purpose.

#### 9.2.1 Route Parameters (Path Parameters)

- Used to uniquely identify a resource.
- Placed within the **URI path**.
- Typically required for RESTful API endpoints.

#### Example:

GET /users/{id}

For retrieving user 123, the actual request would be:

GET /users/123

Another example with nested resources:

GET /orders/{orderId}/items/{itemId}

If orderId = 45 and itemId = 678, the request would be:

GET /orders/45/items/678

#### 9.2.2 Query Parameters

- Used for filtering, sorting, or paginating data.
- Passed after a ? in key-value pairs.
- Multiple parameters are separated by &.
- Optional, providing additional functionality.

#### Example: Filtering and Sorting

GET /users?age=25&sort=desc&limit=10

This request:

- Filters users with age = 25.
- Sorts in **descending** order.
- Limits results to 10 users.

#### **Example: Pagination**

GET /products?page=2&pageSize=20

Retrieves the second page with 20 items per page.

#### 9.3 Comparison of Route and Query Parameters

| Feature   | Route Parameters               | Query Parameters                         |
|-----------|--------------------------------|--|
| Placement | In the URI path                | After? in the URL                        |
| Purpose   | Identifies a specific resource | Filters or modifies a resource request   |
| Required? | Yes (usually)                  | No (optional)                            |
| Data Type | Typically IDs or identifiers   | Additional filters like sort, pagination |
| Example   | /users/123                     | /users?age=25&sort=desc                  |

Table 9.1: Comparison of Route Parameters and Query Parameters

## 9.4 Best Practices for API Design

- Use **route parameters** for uniquely identifying resources.
- Use query parameters for filtering, sorting, and pagination.
- Keep URIs clean and readable, avoiding deeply nested structures.
- Design APIs to be intuitive and RESTful by following standard conventions.

# PetStore Application Backend - CRUD API

#### 10.1 Introduction

This document provides a complete implementation of the PetStore backend API using Flask. Additionally, it demonstrates CRUD operations using cURL and Postman.

#### 10.2 Backend Implementation

#### 10.2.1 Flask API Code

```
Listing 10.1: PetStore Backend Implementation
from flask import Flask, jsonify, request
from flask_cors import CORS # Allow cross-origin requests
\# Initialize Flask app
app = Flask(\_name\_)
CORS(app) # Enable CORS
# In-memory database
pets = [
    {"id": 1, "name": "Buddy", "type": "Dog"},
    {"id": 2, "name": "Mittens", "type": "Cat"},
    {"id": 3, "name": "Goldie", "type": "Fish"}
# Fetch all pets
@app.route('/pets', methods=['GET'])
def get_all_pets():
    return jsonify (pets)
# Fetch pet by ID
@app.route('/pets/<int:id>', methods=['GET'])
def get_pet_by_id(id):
```

```
pet = next((p for p in pets if p["id"] == id), None)
    return jsonify (pet) if pet else ("Not-Found", 404)
# Add a new pet
@app.route('/pets', methods=['POST'])
def add_pet():
    new_pet = request.json
    new_pet["id"] = len(pets) + 1
    pets.append(new_pet)
    return jsonify (new_pet), 201
# Update an existing pet
@app.route('/pets/<int:id>', methods=['PUT'])
def update_pet(id):
    pet = next((p for p in pets if p["id"] == id), None)
    if not pet:
        return "Not-Found", 404
    pet.update(request.json)
    return jsonify (pet)
# Delete a pet
@app.route('/pets/<int:id>', methods=['DELETE'])
def delete_pet(id):
    global pets
    pets = [p for p in pets if p["id"] != id]
    return "", 204
if -name_{-} = '-main_{-}':
    app.run(debug=True)
```

#### 10.3 Using cURL to Test the API

#### 10.3.1 Fetching All Pets

```
curl -X GET http://localhost:5000/pets
```

#### 10.3.2 Fetching a Pet by ID

```
curl -X GET http://localhost:5000/pets/1
```

#### 10.3.3 Adding a New Pet

```
curl -X POST http://localhost:5000/pets \
    -H "Content-Type: application/json" \
    -d '{"name": "Charlie", "type": "Dog"}'
```

#### 10.3.4 Updating a Pet

```
curl -X PUT http://localhost:5000/pets/1 \
    -H "Content-Type: application/json" \
    -d '{"name": "Charlie Updated", "type": "Dog"}'
```

#### 10.3.5 Deleting a Pet

```
curl -X DELETE http://localhost:5000/pets/1
```

#### 10.4 Using Postman to Test the API

#### 10.4.1 Fetching All Pets

- 1. Open Postman. 2. Select GET method. 3. Enter URL: http://localhost:5000/pets.
- 4. Click **Send**.

#### 10.4.2 Fetching a Pet by ID

1. Select **GET** method. 2. Enter URL: http://localhost:5000/pets/1. 3. Click **Send**.

#### 10.4.3 Adding a New Pet

```
1. Select POST method. 2. Enter URL: http://localhost:5000/pets. 3. Go to Body →Select raw →Choose JSON. 4. Enter the following JSON:
```

```
{
    "name": "Charlie",
    "type": "Dog"
}
```

5. Click **Send**.

#### 10.4.4 Updating a Pet

1. Select **PUT** method. 2. Enter URL: http://localhost:5000/pets/1. 3. Go to  $\mathbf{Body} \rightarrow \mathbf{Select} \ \mathbf{raw} \rightarrow \mathbf{Choose} \ \mathbf{JSON}.$  4. Enter the following JSON:

```
{
    "name": "Charlie Updated",
    "type": "Dog"
}
```

5. Click **Send**.

#### 10.4.5 Deleting a Pet

1. Select **DELETE** method. 2. Enter URL: http://localhost:5000/pets/1. 3. Click **Send**.

### 10.5 Conclusion

This document provides a full implementation of a PetStore backend API along with detailed instructions for testing CRUD operations using both cURL and Postman.

# Load Balancing a REST API with NGINX

## 11.1 Introduction to Load Balancing and Reverse Proxy

Load balancing is a technique used to distribute incoming network traffic across multiple servers, ensuring no single server bears too much load. This enhances the availability, fault tolerance, and scalability of web applications.

A **reverse proxy** is a server that sits between client requests and backend servers. It forwards client requests to multiple backend servers and returns the response to the client. A common use case of a reverse proxy is load balancing, where it distributes incoming requests among multiple API servers.

**NGINX** is a widely used web server that also functions as a powerful reverse proxy and load balancer. It efficiently routes requests to backend servers and supports multiple load-balancing strategies such as round-robin, least connections, and IP-hash.

### 11.2 Setting Up Load Balancing for a REST API

To demonstrate load balancing, we create two identical REST API servers using Flask and configure NGINX to distribute requests between them.

#### 11.2.1 Creating Multiple REST API Servers (Flask)

Each REST API server runs on a different port and returns a JSON response indicating which server handled the request.

```
# File: server1.py
from flask import Flask, jsonify

app = Flask(__name__)

@app.route('/api/data', methods=['GET'])
def get_data():
    return jsonify({"server": "Server 1", "message": "Hello from Server 1!"})
```

```
if __name__ == '__main__':
    app.run(host='0.0.0.0', port=5001) # Run on port 5001

# File: server2.py
from flask import Flask, jsonify

app = Flask(__name__)

@app.route('/api/data', methods=['GET'])
def get_data():
    return jsonify({"server": "Server 2", "message": "Hello from Server 2!"})

if __name__ == '__main__':
    app.run(host='0.0.0.0', port=5002) # Run on port 5002
```

#### Configuring NGINX as a Load Balancer

The following NGINX configuration forwards incoming requests to both Flask servers using round-robin load balancing.

```
http {
    upstream backend_servers {
        server 127.0.0.1:5001;
        server 127.0.0.1:5002;
    }

    server {
        listen 8080;

        location /api/ {
            proxy_pass http://backend_servers;
        }
    }
}
```

#### 11.2.2 Starting the Servers and Load Balancer

To start the Flask API servers, run the following commands in separate terminal windows:

```
python server1.py
python server2.py

To start NGINX, use:

nginx -c /path/to/nginx.conf

If using Docker, run:

docker run --name nginx-lb -v /path/to/nginx.conf:/etc/nginx/nginx.conf:ro -p 8080:80
```

11.3. CONCLUSION 55

#### 11.2.3 Testing the Load Balancer

To verify the load balancer is working, make repeated requests using a browser or cURL:

```
curl http://localhost:8080/api/data
```

Each request alternates between the two servers, returning:

```
{"server": "Server 1", "message": "Hello from Server 1!"} {"server": "Server 2", "message": "Hello from Server 2!"}
```

#### 11.3 Conclusion

By using NGINX as a reverse proxy, we efficiently distribute REST API requests among multiple backend servers, ensuring high availability, scalability, and fault tolerance. This setup helps applications handle increased traffic loads while maintaining responsiveness and reliability.

## Why REST API is Better than RPC

#### 12.1 What are RPCs?

Remote Procedure Call (RPC) is a protocol that allows a program to execute a function on a remote server as if it were a local function. Instead of making an HTTP request to a RESTful endpoint, the client calls a function directly, passing parameters, and receiving a return value.

RPCs can use various protocols such as:

- gRPC (Google Remote Procedure Call) Uses Protocol Buffers for efficient communication.
- JSON-RPC Uses JSON format over HTTP or WebSockets.
- XML-RPC Uses XML for communication.

#### 12.2 Why REST API is Better than RPC

While RPC can be efficient in some cases, REST APIs have several advantages that make them a better choice for many applications.

#### 12.2.1 Simplicity and Readability

- **REST**: Uses standard HTTP methods (GET, POST, PUT, DELETE), making it easier to understand and use.
- RPC: Uses custom function names (e.g., getUserData, updateUserInfo), which can be less intuitive and require additional documentation.

#### 12.2.2 Scalability and Statelessness

- **REST**: REST APIs are typically **stateless**, meaning each request is independent. This makes scaling easier as load balancers can distribute requests efficiently.
- **RPC**: Some RPC implementations require maintaining session state, which can lead to scaling issues.

#### 12.2.3 Flexibility and Loose Coupling

- **REST**: Works with **resources** (e.g., /users/123), making it loosely coupled and easy to modify without breaking clients.
- RPC: Tightly coupled; changes to function signatures (e.g., getUser(123)) can break clients.

#### 12.2.4 Standardization

- REST: Uses standard HTTP status codes, headers, and methods, making it easier to debug and integrate with other services.
- RPC: Lacks such standardization, often requiring custom error handling.

#### 12.2.5 Better Caching Support

- **REST**: Supports **HTTP** caching with headers like ETag, Last-Modified, and Cache-Control, improving performance.
- RPC: Generally does not have built-in caching mechanisms.

#### 12.2.6 Language Agnosticism

- **REST**: Works with any programming language since it uses **JSON**, **XML**, or other text formats over HTTP.
- **RPC**: Often requires **platform-specific formats** (e.g., gRPC with Protocol Buffers), making it harder for non-native clients to consume.

#### 12.2.7 Security

- **REST**: Can use **standard security mechanisms** like OAuth, JWT, and API keys over HTTPS.
- **RPC**: Security depends on implementation; some RPC frameworks have authentication built-in, but others require custom solutions.

#### 12.2.8 Human-Friendly

- REST: Uses URL-based resource access (e.g., /users/123), making it more readable and self-documenting.
- RPC: Function call-based (e.g., getUser(123)) can be harder to understand without extensive documentation.

#### 12.3 When to Use RPC Instead?

While REST is generally preferred for web-based, scalable, loosely coupled services, RPC has some use cases where it excels:

- **High-performance internal APIs** gRPC is optimized for low-latency, high-throughput communication.
- Real-time communication gRPC supports bidirectional streaming, making it ideal for chat applications and IoT.
- Strict contract enforcement gRPC with Protocol Buffers provides stronglytyped contracts between client and server.

#### 12.4 Conclusion

REST APIs are better suited for most **web applications** because they are simple, scalable, standardized, and language-agnostic. However, RPC (especially **gRPC**) is a better choice for **high-performance microservices** and applications needing **low latency or real-time communication**.

## Introduction to MQTT

#### 13.1 Introduction to MQTT

#### 13.1.1 What is MQTT?

MQTT (Message Queuing Telemetry Transport) is a lightweight messaging protocol optimized for devices with limited resources and networks with low bandwidth or high latency. This makes it highly suitable for Internet of Things (IoT) applications, where devices often operate on constrained networks.

#### 13.1.2 Why MQTT for IoT?

- Low Bandwidth Usage: Ideal for sensor data transmission.
- Power Efficiency: Suitable for battery-powered devices.
- Easy Implementation: Simple and effective protocol structure.
- Reliable Communication: Offers different Quality of Service (QoS) levels.

#### 13.1.3 MQTT in Smart Homes

MQTT allows seamless communication between smart home devices like sensors, actuators, and control systems. For example:

- A temperature sensor **publishes** temperature data.
- A smart thermostat **subscribes** to the temperature data and adjusts HVAC settings.
- A smartphone app **subscribes** to topics to monitor devices remotely.

#### 13.2 MQTT Architecture and Components

#### 13.2.1 Key Components

• Broker: The central server that routes messages between publishers and subscribers. (e.g., Mosquitto)

- Publisher: Sends data to a topic (e.g., a temperature sensor publishing to home/livingroom/temperature)
- Subscriber: Receives messages from subscribed topics (e.g., a thermostat listening to temperature data).
- Topics: Hierarchical strings used to categorize messages (e.g., home/kitchen/light).

#### 13.2.2 Topic Structure in a Smart Home

Example topic hierarchy:

- home/livingroom/temperature
- home/kitchen/light
- home/bedroom/humidity
- home/garage/doorstatus

#### Wildcards in Topics

- + (Single-level): Subscribes to one level (e.g., home/+/temperature).
- (Multi-level): Subscribes to all levels (e.g., home/).

#### 13.2.3 Quality of Service (QoS) Levels

- **QoS 0:** At most once (fire and forget).
- QoS 1: At least once (guaranteed delivery but possible duplicates).
- QoS 2: Exactly once (guarantees no duplicates).

#### 13.3 Smart Home Case Study

#### 13.3.1 Scenario Description

Consider a smart home setup with the following devices:

- Temperature Sensors: Publish data to topics like home/livingroom/temperature.
- Smart Thermostat: Subscribes to temperature topics and adjusts the HVAC system.
- Motion Sensors: Publish occupancy data.
- Light Controllers: Subscribe to occupancy data to manage lighting.
- Door Sensors: Publish door status for security notifications.

#### 13.3.2 Data Flow Example

- 1. The temperature sensor detects 26°C and publishes to home/livingroom/temperature.
- 2. The smart thermostat receives the data and activates the air conditioning.
- 3. The mobile app displays real-time temperature data to the user.
- 4. Occupancy sensors publish data, prompting lights to turn on when someone enters a room.

#### 13.3.3 Advantages of Using MQTT in Smart Homes

- Scalability: Easily add new devices without reconfiguring existing ones.
- Real-time Communication: Quick response to environmental changes.
- Efficient Bandwidth Usage: Devices receive only relevant messages.

#### 13.4 Example Code

#### 13.4.1 Publisher: Simulated Temperature Sensor

Listing 13.1: Temperature Sensor Publisher

```
import paho.mqtt.client as mqtt
import time
import random

broker = "test.mosquitto.org"
port = 1883
topic = "home/livingroom/temperature"

client = mqtt.Client("TemperatureSensor")
client.connect(broker, port, 60)

while True:
    temperature = round(random.uniform(18.0, 30.0), 2)
    result = client.publish(topic, temperature)
    if result[0] == 0:
        print(f"Sent {temperature} C to topic {topic}")
    time.sleep(5)
```

#### 13.4.2 Subscriber: Smart Thermostat

Listing 13.2: Smart Thermostat Subscriber

```
import paho.mqtt.client as mqtt

broker = "test.mosquitto.org"
port = 1883
topic = "home/livingroom/temperature"

def on_connect(client, userdata, flags, rc):
```

```
print("Connected with result code", rc)
    client.subscribe(topic)

def on_message(client, userdata, msg):
    temperature = float(msg.payload.decode())
    print(f"Received {temperature} C from {msg.topic}")
    if temperature > 25:
        print("Turning on AC.")
    elif temperature < 20:
        print("Turning on heater.")

client = mqtt.Client("SmartThermostat")
client.on_connect = on_connect
client.on_message = on_message

client.connect(broker, port, 60)
client.loop_forever()</pre>
```

#### 13.5 Hands-On Activities

- 1. Modify the publisher to simulate humidity data and publish to home/livingroom/humidity.
- 2. Create a light controller that subscribes to occupancy data and automates lighting.
- 3. Use wildcard subscriptions like home/+/temperature to subscribe to multiple rooms.
- 4. Implement retained messages so new subscribers receive the last published value.
- 5. Experiment with different QoS levels and observe message delivery behavior.

#### 13.6 Summary

- MQTT provides an efficient communication method for IoT devices.
- The publish/subscribe model facilitates scalable smart home applications.
- Real-world use cases include environmental monitoring, automated lighting, and security systems.

#### 13.7 Resources

- MQTT Official Site
- Mosquitto Broker Documentation
- Paho MQTT Library
- MQTT Explorer Tool

# oneM2M and Resource Oriented Architecture (ROA)

#### 14.1 Introduction to oneM2M

oneM2M is a global standards initiative that aims to develop technical specifications to ensure interoperability of Machine-to-Machine (M2M) and Internet of Things (IoT) systems. It provides a common M2M Service Layer that can be embedded within hardware and software to connect devices and applications across various sectors.

#### **Key Objectives**

- Provide a common service layer.
- Enable interoperability across different verticals and technologies.
- Support various IoT use cases (smart homes, health, transportation, etc.).

#### 14.2 Resource Oriented Architecture (ROA)

ROA is the architectural model that one M2M uses to manage and represent resources. It organizes system entities as resources that can be manipulated through standard CRUD (Create, Retrieve, Update, Delete) operations.

#### Core Concepts

- Resource: Any manageable entity (e.g., device, application entity, container).
- URI (Uniform Resource Identifier): Each resource is uniquely identifiable.
- CRUDN Operations: Extend standard CRUD with Notification (N).
- **Hierarchical Structure:** Resources are structured in a tree-like hierarchy.

#### 14.3 oneM2M Resource Tree Structure

The resource tree begins with the Common Service Entity (CSE), branching into various child resources.

#### Resource Types

- **CSEBase:** Root resource for a CSE.
- AE (Application Entity): Represents an application.
- Container: Holds data instances.
- ContentInstance: Actual data payload.
- Subscription: Manages notifications.

#### Example Hierarchy

```
/CSEBase
AE (TemperatureApp)
Container (TemperatureData)
ContentInstance (Data1)
ContentInstance (Data2)
Subscription (TempAlert)
```

#### 14.4 Code Examples Using HTTP REST API

#### 14.4.1 Create an Application Entity (AE)

```
import requests
 cse_url = "http://localhost:8080/~/in-cse/in-name"
 headers = {
      'X-M2M-Origin': 'admin:admin',
      'Content-Type': 'application/json;ty=2'
  data = {
      "m2m:ae": {
          "rn": "TemperatureApp",
10
          "api": "app-sensor",
          "rr": True
12
      }
13
14
 response = requests.post(cse_url, headers=headers, json=data)
16 print(response.status_code, response.json())
```

Listing 14.1: Creating an AE

#### 14.4.2 Create a Container

```
container_url = cse_url + "/TemperatureApp"
headers['Content-Type'] = 'application/json;ty=3'
data = {
    "m2m:cnt": {
        "rn": "TemperatureData"
}

response = requests.post(container_url, headers=headers, json=data)
print(response.status_code, response.json())
```

Listing 14.2: Creating a Container

#### 14.4.3 Add ContentInstance (Data)

```
content_url = container_url + "/TemperatureData"
headers['Content-Type'] = 'application/json;ty=4'
data = {
    "m2m:cin": {
        "con": "23.5"
}
response = requests.post(content_url, headers=headers, json=data)
print(response.status_code, response.json())
```

Listing 14.3: Adding Data

#### 14.4.4 Retrieve Latest Data

```
retrieve_url = content_url + "/la" # 'la' refers to latest content
   instance
response = requests.get(retrieve_url, headers={'X-M2M-Origin': 'admin:
        admin'})
print(response.status_code, response.json())
```

Listing 14.4: Retrieving Latest Data

#### 14.5 Notifications and Subscriptions

Applications can subscribe to resources to receive notifications when data changes.

#### 14.5.1 Create a Subscription

```
subscription_url = container_url + "/TemperatureData"
headers['Content-Type'] = 'application/json;ty=23'
data = {
    "m2m:sub": {
        "rn": "TempAlert",
        "nu": ["http://my-server.com/notify"],
        "nct": 2
}
```

```
9 }
10 response = requests.post(subscription_url, headers=headers, json=data)
11 print(response.status_code, response.json())
```

Listing 14.5: Creating a Subscription

## 14.6 Key Takeaways

- oneM2M leverages a Resource Oriented Architecture.
- CRUDN operations manage the lifecycle of resources.
- Hierarchical resource trees ensure structured data management.
- Subscriptions facilitate real-time notifications.

#### 14.7 Further Reading and Resources

- oneM2M Official Website
- TS-0001 Functional Architecture
- GitHub Examples for oneM2M

## Polling vs Interrupt-Driven Approach in Embedded Systems

#### 15.1 Introduction

In embedded systems, handling inputs such as push buttons or capacitive touch sensors can be achieved using either **polling** or **interrupt-driven** approaches. Understanding the difference between these two methods is crucial for optimizing system performance, responsiveness, and power consumption.

This lecture note covers the differences between **polling** and **interrupts**, their advantages and disadvantages, and how **light sleep mode** further enhances efficiency. Example codes are provided to demonstrate these concepts using an ESP32 and its built-in **capacitive touch sensor**.

#### 15.2 Polling Approach

#### 15.2.1 What is Polling?

Polling is a method where the microcontroller continuously checks the status of an input device at regular intervals. If a condition is met (e.g., a button is pressed), an action is performed.

#### 15.2.2 Advantages of Polling

- Simple to implement.
- No need for additional hardware configurations.

#### 15.2.3 Disadvantages of Polling

- Inefficient: Wastes CPU cycles checking the input constantly.
- Less responsive: Delays in response due to periodic checks.
- High power consumption: CPU is always active.

#### 15.2.4 Example Code: Polling a Capacitive Touch Sensor

This example continuously checks the **capacitive touch sensor** on GPIO 4 and turns on the LED if a touch is detected.

```
#define TOUCH_PIN TO // GPIO 4 (Capacitive touch sensor)
 #define LED_PIN 2
                        // Built-in LED
 void setup() {
    Serial.begin(115200);
    pinMode(LED_PIN, OUTPUT);
 void loop() {
    int touchValue = touchRead(TOUCH_PIN); // Read touch sensor
    Serial.println(touchValue);
    if (touchValue < 40) { // Threshold for detecting touch
13
      digitalWrite(LED_PIN, HIGH); // Turn LED ON
14
      Serial.println("Touched! LED ON");
   } else {
16
      digitalWrite(LED_PIN, LOW);
                                    // Turn LED OFF
17
19
    delay(100); // Small delay for stability
20
 }
21
```

#### 15.2.5 How It Works:

- The loop() function continuously checks the touch sensor value.
- If the value is below a threshold, it turns on the LED and prints "Touched! LED ON".
- Otherwise, the LED remains off.
- Downside: The ESP32 wastes CPU cycles checking the sensor all the time.

#### 15.3 Interrupt-Driven Approach

#### 15.3.1 What is an Interrupt?

An interrupt is a signal that **immediately stops** the CPU's current task and forces it to execute a specific function (Interrupt Service Routine - ISR). Once the ISR completes, the CPU resumes its previous task.

#### 15.3.2 Advantages of Interrupts

- Efficient: CPU is not constantly checking input; it runs other tasks and only reacts when needed.
- **Responsive:** Immediate response to events.

• Lower power consumption compared to polling.

#### 15.3.3 Disadvantages of Interrupts

- Slightly more complex to implement.
- Improper handling of interrupts may cause unexpected behavior (e.g., multiple triggers due to switch bouncing).

#### 15.3.4 Example Code: Using an Interrupt for the Touch Sensor

This code triggers an interrupt when the **capacitive touch sensor** is activated.

```
// GPIO 4 (Capacitive touch sensor)
 #define TOUCH_PIN TO
 #define LED_PIN 2
                        // Built-in LED
  volatile bool touched = false; // Flag to track touch state
 void IRAM_ATTR handleTouch() {
    touched = true; // Set flag when touch is detected
 void setup() {
    Serial.begin(115200);
    pinMode(LED_PIN, OUTPUT);
12
    // Attach interrupt to the touch sensor
14
    touchAttachInterrupt(TOUCH_PIN, handleTouch, 40); // Threshold = 40
15
 }
17
 void loop() {
18
    if (touched) {
19
      touched = false; // Reset flag
20
      digitalWrite(LED_PIN, HIGH); // Turn LED ON
21
      Serial.println("Interrupt: Touched! LED ON");
23
      delay(500); // Small delay to avoid flickering
24
      digitalWrite(LED_PIN, LOW); // Turn LED OFF
25
    }
26
27
```

#### 15.3.5 How It Works:

- When the touch sensor detects a touch, the **interrupt** function (handleTouch()) is called.
- The flag touched is set to true.
- In the loop(), if touched == true, the LED is turned on, and a message is printed.
- The CPU is free to do other tasks while waiting for an interrupt.

## 15.4 Interrupt with Light Sleep Mode (Most Efficient)

#### 15.4.1 What is Light Sleep Mode?

Light sleep mode reduces power consumption by disabling the CPU while keeping peripherals active. The CPU wakes up only when an interrupt occurs (e.g., a touch event).

#### 15.4.2 Benefits of Light Sleep Mode

- Saves power while waiting for user input.
- Wakes up instantly when a touch is detected.
- Ideal for battery-powered devices.

#### 15.4.3 Example Code: Interrupt with Light Sleep Mode

```
#include "esp_sleep.h"
 #define TOUCH_PIN TO // GPIO 4 (Capacitive touch sensor)
 #define LED_PIN 2
                        // Built-in LED
 volatile bool touched = false; // Flag to track touch state
 void IRAM_ATTR handleTouch() {
   touched = true; // Set flag when touch is detected
10
 void setup() {
12
    Serial.begin(115200);
    pinMode(LED_PIN, OUTPUT);
14
    // Attach interrupt to the touch sensor
16
    touchAttachInterrupt(TOUCH_PIN, handleTouch, 40); // Threshold = 40
18
    // Enable touchpad wake-up from sleep
19
    esp_sleep_enable_touchpad_wakeup();
20
21
 void loop() {
23
    if (touched) {
24
      touched = false; // Reset flag
25
      digitalWrite(LED_PIN, HIGH); // Turn LED ON
26
      Serial.println("Interrupt: Touched! LED ON");
27
      delay(500); // Small delay for visibility
29
      digitalWrite(LED_PIN, LOW); // Turn LED OFF
30
31
32
    Serial.println("Entering Light Sleep Mode...");
    delay(100); // Short delay before sleep
34
35
```

```
// Put ESP32 into light sleep mode
esp_light_sleep_start();

// Execution resumes here after wake-up
Serial.println("Woke up from sleep!");
}
```

#### 15.4.4 How It Works:

- ESP32 enters light sleep mode.
- When a touch is detected, the CPU wakes up and turns on the LED.
- The LED turns off after a short delay, and the ESP32 goes back to sleep.

# 15.5 Comparison Table: Polling vs Interrupt vs Sleep Mode

| Category         | Polling              | Interrupt         | Interrupt + Sleep            |  |  |
|------------------|----------------------|-------------------|------------------------------|--|--|
| CPU Usage        | High                 | Low               | Very Low                     |  |  |
| Power Efficiency | Inefficient          | More efficient    | Most efficient               |  |  |
| Responsiveness   | Instant but wasteful | Fast response     | Fast, wakes only when needed |  |  |
| Best For         | Simple applications  | Real-time systems | Low-power applications       |  |  |

Table 15.1: Comparison of Polling, Interrupt, and Interrupt with Sleep Mode

# 15.6 Conclusion

- **Polling** is simple but inefficient.
- Interrupts improve efficiency and responsiveness.
- Light Sleep Mode maximizes power savings.

| 74CHAPTER 15. | POLLING VS INTERRUPT-DRIVEN APPROACH IN EMBEDDED SYST | $\Gamma EMS$ |
|---------------|---|--------------|
|               |   |              |
|               |   |              |

# Chapter 16

# **OTA**

### 16.1 Introduction to OTA

#### 16.1.1 What is OTA?

Over-The-Air (OTA) updates allow you to update the firmware of an ESP32 device wirelessly, without the need for physical access. This is particularly useful for devices deployed in remote or hard-to-reach locations.

# 16.1.2 Why use OTA?

- Convenience: No need to physically connect the device to a computer.
- Scalability: Update multiple devices simultaneously.
- Maintenance: Fix bugs, add features, or patch security vulnerabilities remotely.

# 16.1.3 Types of OTA Updates

- Basic OTA: Updates via Arduino IDE or HTTP server.
- Advanced OTA: Updates via cloud services (e.g., AWS IoT, Firebase, or custom backend).

# 16.2 Underlying Mechanics of OTA

#### 16.2.1 How OTA Works on ESP32

The ESP32 has two app partitions: ota\_0 and ota\_1. During an OTA update, the new firmware is written to the inactive partition. After the update, the bootloader switches to the updated partition.

# 16.2.2 Key Components

- Bootloader: Manages which partition to boot from.
- Partition Table: Defines the layout of flash memory (e.g., app partitions, OTA data, SPIFFS).

76 CHAPTER 16. OTA

• OTA Data: Stores metadata about the active partition.

#### 16.2.3 OTA Process

- 1. The device downloads the new firmware (e.g., from an HTTP server or cloud).
- 2. The firmware is written to the inactive partition.
- 3. The bootloader updates the OTA data to point to the new partition.
- 4. The device reboots and runs the updated firmware.

# 16.3 Implementing OTA on ESP32

## 16.3.1 Prerequisites

- Arduino IDE or PlatformIO.
- ESP32 board support installed.
- Wi-Fi credentials for the ESP32 to connect to the internet.

#### 16.3.2 Basic OTA via Arduino IDE

#### Enable OTA in Arduino IDE

- 1. Go to Tools > Port and select the network port (e.g., ESP32 at 192.168.x.x).
- 2. Upload the sketch using Sketch > Upload Over The Air.

#### Code Example

```
#include <WiFi.h>
  #include <ESPmDNS.h>
 #include <WiFiUdp.h>
 #include <ArduinoOTA.h>
  const char* ssid = "YOUR_WIFI_SSID";
  const char* password = "YOUR_WIFI_PASSWORD";
  void setup() {
    Serial.begin(115200);
    WiFi.begin(ssid, password);
11
12
    while (WiFi.status() != WL_CONNECTED) {
      delay(1000);
14
      Serial.println("Connecting to WiFi...");
15
16
17
    Serial.println("Connected to WiFi");
18
19
    // Initialize OTA
    ArduinoOTA.begin();
```

```
// OTA Event Handlers
    ArduinoOTA.onStart([]() {
      Serial.println("OTA Update Started");
25
    });
26
27
    ArduinoOTA.onEnd([]() {
28
      Serial.println("OTA Update Finished");
29
    });
30
31
    ArduinoOTA.onProgress([](unsigned int progress, unsigned int total) {
      Serial.printf("Progress: %u%%\r", (progress / (total / 100)));
33
34
35
    ArduinoOTA.onError([](ota_error_t error) {
36
      Serial.printf("Error[%u]: ", error);
37
      if (error == OTA_AUTH_ERROR) Serial.println("Auth Failed");
      else if (error == OTA_BEGIN_ERROR) Serial.println("Begin Failed");
39
      else if (error == OTA_CONNECT_ERROR) Serial.println("Connect Failed
      else if (error == OTA_RECEIVE_ERROR) Serial.println("Receive Failed
      else if (error == OTA_END_ERROR) Serial.println("End Failed");
42
44
45
 void loop() {
    ArduinoOTA.handle(); // Handle OTA updates
48
```

Listing 16.1: Basic OTA Example

#### Steps to Upload OTA

- 1. Compile and upload the above code to the ESP32 via USB.
- 2. Disconnect the USB cable.
- 3. Select the OTA port in Arduino IDE and upload a new sketch wirelessly.

#### 16.3.3 OTA via HTTP Server

#### Set Up an HTTP Server

Host the firmware binary (.bin file) on an HTTP server (e.g., Apache, Nginx, or a cloud storage service).

#### Code Example

```
#include <WiFi.h>
#include <HTTPClient.h>
#include <Update.h>

const char* ssid = "YOUR_WIFI_SSID";
const char* password = "YOUR_WIFI_PASSWORD";
const char* firmwareUrl = "http://your-server.com/firmware.bin";
```

78 CHAPTER 16. OTA

```
void setup() {
    Serial.begin(115200);
    WiFi.begin(ssid, password);
12
    while (WiFi.status() != WL_CONNECTED) {
13
      delay(1000);
14
      Serial.println("Connecting to WiFi...");
16
17
    Serial.println("Connected to WiFi");
18
19
    // Check for updates
20
    checkForUpdates();
21
 }
22
 void loop() {
    // Your main code here
 }
26
27
 void checkForUpdates() {
28
    HTTPClient http;
29
    http.begin(firmwareUrl);
    int httpCode = http.GET();
31
    if (httpCode == HTTP_CODE_OK) {
33
      int contentLength = http.getSize();
      if (contentLength > 0) {
35
        if (Update.begin(contentLength)) {
36
          Serial.println("Starting OTA Update...");
          size_t written = Update.writeStream(http.getStream());
39
          if (written == contentLength) {
40
            Serial.println("Update Complete");
             if (Update.end()) {
               Serial.println("Rebooting...");
43
               ESP.restart();
44
45
             } else {
               Serial.println("Update Failed");
47
          } else {
            Serial.println("Write Failed");
          }
50
        }
          else {
          Serial.println("Not Enough Space");
        }
      } else {
54
        Serial.println("Invalid Content Length");
      }
56
    } else {
57
      Serial.println("Failed to Download Firmware");
58
59
60
    http.end();
61
62 }
```

Listing 16.2: HTTP OTA Example

#### Steps

- 1. Compile and upload the code to the ESP32.
- 2. Place the new firmware binary on the HTTP server.
- 3. The ESP32 will check for updates and download/install the new firmware.

## 16.4 Advanced OTA with Cloud Services

#### 16.4.1 Cloud-Based OTA

Use services like AWS IoT, Firebase, or Azure IoT for OTA updates. These services provide better security, scalability, and management capabilities.

# 16.4.2 Example: AWS IoT OTA

Set up an AWS IoT job to push firmware updates to the ESP32. Use the AWS IoT SDK for ESP32 to handle OTA updates.

## 16.5 Best Practices for OTA

### 16.5.1 Security

- Use HTTPS for firmware downloads.
- Sign firmware updates with a private key and verify the signature on the device.

# 16.5.2 Reliability

- Implement rollback mechanisms in case of failed updates.
- Use a stable Wi-Fi connection.

# 16.5.3 Testing

Test updates thoroughly before deploying to production devices.

# 16.6 Common Issues and Troubleshooting

#### 16.6.1 OTA Fails

- Ensure the firmware binary is correct and matches the device.
- Check Wi-Fi connectivity and server availability.

# 16.6.2 Insufficient Space

Optimize the firmware size or use a larger flash memory ESP32 variant.

80 CHAPTER 16. OTA

# 16.6.3 Bootloader Issues

Ensure the correct partition table is used.

# 16.7 Conclusion

OTA is a powerful feature for ESP32 devices, enabling remote updates and maintenance. Start with basic OTA via Arduino IDE, then explore HTTP-based and cloud-based OTA for advanced use cases. Always prioritize security and reliability when implementing OTA updates.

# **Additional Resources**

- ESP32 OTA Documentation
- Arduino OTA Library
- AWS IoT OTA Documentation

# Chapter 17

# IoT Networking Protocols

# 17.1 Introduction to IoT Networking

# 17.1.1 What is IoT Networking?

IoT networking refers to the communication technologies and protocols that enable IoT devices to connect, share data, and interact with each other and the cloud. The choice of networking protocol depends on factors like range, power consumption, data rate, and use case.

# 17.1.2 Key Considerations for IoT Networking

- Range: How far the signal needs to travel.
- Power Consumption: Battery life and energy efficiency.
- Data Rate: Speed of data transmission.
- Cost: Hardware and operational costs.
- Scalability: Number of devices supported.
- Latency: Delay in data transmission.
- Security: Encryption and authentication mechanisms.

# 17.2 Common IoT Networking Protocols

#### 17.2.1 Wi-Fi

**Description:** Wi-Fi is a widely used wireless networking protocol based on the IEEE 802.11 standard, operating in the 2.4 GHz and 5 GHz frequency bands.

#### Pros:

- High data rates (up to several Gbps with Wi-Fi 6).
- Wide availability and compatibility.
- Easy to set up and use.

#### Cons:

- High power consumption (not ideal for battery-operated devices).
- Limited range (typically up to 100 meters).
- Congestion in dense environments.

Use Cases: Smart homes, industrial automation, and applications requiring high data throughput.

# 17.2.2 Bluetooth (Classic and BLE)

**Description:** Bluetooth is a short-range wireless protocol operating in the 2.4 GHz band. Bluetooth Low Energy (BLE) is optimized for low-power applications.

#### Pros:

- Low power consumption (especially BLE).
- Low cost and widespread adoption.
- Suitable for short-range communication (up to 100 meters).

#### Cons:

- Limited data rate (up to 2 Mbps for Bluetooth 5.0).
- Limited range compared to other protocols.

Use Cases: Wearables, health monitoring, and smart home devices.

# 17.2.3 Zigbee

**Description:** Zigbee is a low-power, low-data-rate wireless protocol based on the IEEE 802.15.4 standard, operating in the 2.4 GHz band with mesh networking support.

#### Pros:

- Low power consumption.
- Supports mesh networking (extended range and reliability).
- Scalable for large networks.

#### Cons:

- Low data rate (up to 250 kbps).
- Limited range for individual nodes (10-100 meters).

Use Cases: Smart lighting, home automation, and industrial control systems.

#### 17.2.4 LoRaWAN

**Description:** LoRaWAN (Long Range Wide Area Network) is a low-power, long-range protocol designed for IoT applications, operating in sub-GHz frequency bands.

#### Pros:

- Very long range (up to 10 km in rural areas).
- Low power consumption (battery life of several years).
- Supports large-scale networks.

#### Cons:

- Low data rate (up to 50 kbps).
- Limited bandwidth for high-data applications.

Use Cases: Smart agriculture, environmental monitoring, and asset tracking.

# 17.3 Factors to Consider When Choosing a Networking Option

- Range: Short range (Bluetooth, Zigbee, Z-Wave), Medium range (Wi-Fi), Long range (LoRaWAN, Cellular).
- Power Consumption: Low power (BLE, Zigbee, LoRaWAN, LTE-M, NB-IoT), High power (Wi-Fi, Cellular).
- Data Rate: Low (LoRaWAN, Zigbee, Z-Wave), High (Wi-Fi, Ethernet, 5G).
- Cost: Low (Bluetooth, Zigbee), High (Cellular, Ethernet).
- Scalability: Small networks (Bluetooth, Z-Wave), Large networks (Zigbee, Lo-RaWAN, Cellular).
- Latency: Low (Wi-Fi, Ethernet, 5G), High (LoRaWAN, LTE-M, NB-IoT).
- Security: High (Cellular, Wi-Fi with WPA3, Ethernet), Moderate (Zigbee, Z-Wave, LoRaWAN).

# 17.4 Comparison Table of IoT Networking Protocols

| Protocol  | Range (meters) | Power                      | Data Rate | Cost   | Scalability | Latency  | Use Cases                           |
|-----------|----------------|----------------------------|-----------|--------|-------------|----------|-------------------------------------|
| Wi-Fi     | 50-100         | High                       | High      | Medium | Medium      | Low      | Smart homes, industrial IoT         |
| Bluetooth | 1-100          | Low (BLE)                  | Low       | Low    | Small       | Low      | Wearables, health monitoring        |
| Zigbee    | 10-100         | Low                        | Low       | Low    | Large       | Medium   | Smart lighting, home automation     |
| LoRaWAN   | 1000-10000     | Very Low                   | Very Low  | Medium | Large       | High     | Smart agriculture, asset tracking   |
| Cellular  | 1000-35000     | High (except LTE-M/NB-IoT) | High (5G) | High   | Large       | Low (5G) | Smart cities, connected vehicles    |
| Z-Wave    | 30-100         | Low                        | Low       | Medium | Small       | Medium   | Smart home devices                  |
| Ethernet  | Wired          | Medium                     | Very High | High   | Large       | Very Low | Industrial automation, data centers |

Table 17.1: Comparison of IoT Networking Protocols

# 17.5 Conclusion

The choice of IoT networking protocol depends on the specific requirements of the application, such as range, power consumption, data rate, and cost. Wi-Fi and Bluetooth are ideal for short-range, high-data-rate applications, while LoRaWAN and cellular are better suited for long-range, low-power use cases. Scalability, latency, and security are critical considerations when selecting a networking option.

# 17.6 Additional Resources

- https://www.wi-fi.org/
- https://www.bluetooth.com/
- https://lora-alliance.org/
- https://zigbeealliance.org/
- https://www.3gpp.org/

S